

खबर संक्षेप

विद्युत प्रकरणों के संबंध में हुई अधिकारियों की बैठक

कटनी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निदेशानुसार एवं जितेंद्र कुमार शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कटनी के मार्गदर्शन में 14 मार्च को जिला न्यायालय एवं समस्त तहसील सिविल न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में विद्युत प्रकरणों का निराकरण कराये जाने के उद्देश्य से कटनी जिले के विद्युत विभाग के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिकारियों के साथ जिला न्यायालय कटनी के कॉन्फ्रेंस हॉल में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में गोपेश गर्ग विशेष न्यायाधीश (विद्युत) न्यायालय के द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारियों से वन टू वन चर्चा कर राजीनामा योग्य प्रकरणों की जानकारी ली गई। एवं अधिक से अधिक संख्या में पक्षकारों को सूचना-पत्र जारी किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। ताकि पक्षकार नेशनल लोक अदालत का लाभ उठा सकें। इस अवसर पर सुमित शर्मा, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हर्षित बिसेन जिला विधिक सहायता अधिकारी सहित विद्युत विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण

जागरूकता के लिए

मॉडलों की लगाई प्रदर्शनी

कटनी। शासकीय कन्या

महाविद्यालय, कटनी में प्राचार्य डॉ.

चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन और

प्रभारी डॉ. रीना मिश्रा के नेतृत्व में

एक महत्वपूर्ण पर्यावरण

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

किया गया। यह कार्यक्रम ऐपको

द्वारा प्रायोजित था, जिसके अंतर्गत

छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण से

जुड़े विभिन्न विषयों पर आकर्षक

मॉडल तैयार किए और एक

प्रभावशाली प्रदर्शनी लगाई।

प्रदर्शनी में ग्रीनहाउस इफेक्ट, रेन

वाटर हार्बेस्टिंग, पवन चक्की,

क्लाइमेट चेंज, वृक्षारोपण तथा

प्रदूषण नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण

विषयों को मॉडलों के माध्यम से

दर्शाया गया। छात्राओं ने इन मॉडलों

के जरिए पर्यावरण के प्रति अपनी

जागरूकता और रचनात्मकता का

प्रदर्शन किया। महाविद्यालय की

समस्त छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों

ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन

किया तथा छात्राओं द्वारा दिए गए

पर्यावरण संरक्षण के संदेश को

समझा। प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने

छात्राओं को संबोधित करते हुए

कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी

नैतिक जिम्मेदारी और कर्तव्य है।

उन्होंने सभी को अपने आसपास के

वातावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित

रखने के लिए रेन वाटर हार्बेस्टिंग,

पेड़-पौधे लगाना, प्रदूषण मुक्त

वाहनों का उपयोग तथा प्लास्टिक

मुक्ति जैसे व्यावहारिक कदम

उठाने की अपील की। उन्होंने

छात्राओं के प्रयासों की प्रशंसा करते

हुए कहा कि युवा पीढ़ी ही पर्यावरण

संरक्षण की दिशा में सबसे बड़ा

बदलाव ला सकती है।

28 जल स्रोतों एवं 57

ट्यूबवेल का क्लोरीनेशन

एवं सुधार कार्य

कटनी। नागरिकों को स्वच्छ

पेयजल उपलब्ध कराने के लिए

एन निगम प्रशासन द्वारा विशेष

अभियान चलाया जा रहा है। इसके

तहत वाडों में पेयजल स्रोतों से

रोजाना प्रदाय किये जाने वाले जल

का परीक्षण लगातार किया जा रहा

है। इस अभियान के तहत विभागीय

अधिकारी कर्मचारी वाडों का दौरा

कर वाड वार्डों से शुद्ध पेयजल

उपलब्धता के संबंध में पूछताछ

कर जल नमूना एकत्रित किया

जाकर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा

जा रहा है। अभियान के तहत

नगरीय क्षेत्रों के विभिन्न जल स्रोतों

पानी की टंकी, ट्यूबवेल, संपवेल

का जल का परीक्षण किया जा रहा

है और पेयजल स्रोतों का

क्लोरीनेशन भी किया जा रहा है।

इसके अलावा निगम प्रशासन द्वारा

शुद्ध पेयजल आपूर्ति के मद्देनजर

अब तक कुल 28 पानी की टंकी,

ओवरहेड टैंक एवं सम्बल्वेल की

सफाई के अलावा 57 ट्यूबवेल का

सुधार कार्य कराया जा चुका है।

वहीं 498 से अधिक लीकेज

संबंधी समस्याओं पर तत्परा के

साथ कार्यवाही की जा चुकी है।

कार्यपालन यंत्रों की प्रदूषण शाखा

श्री सुधीर मिश्रा ने बताया कि जल

का नमूना लिया जाकर जांच हेतु

प्रयोगशाला भेजा गया।

स्कूलों से खाद्यान्न एवं सिलेण्डरों की करते थे चोरी, सभी बदमाशों को भेजा गया जेल

शांतिर चोर गिरोह के 5 सदस्यों को पुलिस ने पकड़ा, पांच सिलेण्डर किये गये बरामद

हरिभूमि न्यूज कटनी

विद्यालयों से खाद्यान्न एवं गैस सिलेण्डर चोरी करने वाले गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निदेशान में चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार 6 नवंबर 2025 को देवराखुर्द निवासी अर्चना तिवारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि प्राथमिक स्कूल देवराखुर्द से अज्ञात चोरों ने 05 गैस सिलेंडर और राशन सामग्री पार कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन तकनीकी साक्ष्यों और मुखाबिरो की मदद से सफलता तब मिली जब कुठला पुलिस ने एक गिरोह को पकड़ा।

कुठला पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने एन.के.जे. क्षेत्र के स्कूलों में भी चोरी करना स्वीकार किया। इसके बाद एन.के.जे. पुलिस ने न्यायालय से अनुमति लेकर आरोपियों को रिमांड पर लिया और सघन पूछताछ की।

इन बदमाशों की हुई गिरफ्तारी

पुलिस ने इस मामले में कुठला थाना क्षेत्र के रहने वाले निम्नलिखित आरोपियों को



जिले भर में चलाया विशेष अभियान, 98 हजार रूपए की देशी एवं अंग्रेजी शराब जप्त

नशे के अवैध कारोबार की रोकथाम लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निदेशान में संचालित विशेष अभियान ऑपरेशन शिकंजा के अंतर्गत 10 फरवरी को कटनी पुलिस द्वारा जिलेभर में एक साथ व्यापक एवं सघन कार्रवाई की गई। इस विशेष अभियान के दौरान जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में गठित पुलिस टीमों ने अवैध देशी एवं विदेशी शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं विक्रय में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध ताबड़तोड़ दबिश दी। कार्रवाई के दौरान विभिन्न संदिग्ध ठिकानों से भारी मात्रा में अवैध शराब, कच्ची मदिरा तथा शराब निर्माण में प्रयुक्त उपकरण एवं सामग्री नष्ट की गई।

अभियान के दौरान जिले भर में पुलिस द्वारा 67 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया जिनके पास से 117 लीटर देशी एवं अंग्रेजी शराब जप्त की गई। इसके अलावा 67 लीटर कच्ची शराब भी बरामद की गई। जप्त की गई शराब की कीमत करीब 98 हजार रूपए आंकी गई है। सभी मामलों में आरोपियों के विरुद्ध मद्र आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई करते करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी अवैध शराब अथवा अन्य नशीले पदार्थों के निर्माण, बिक्री या परिवहन की जानकारी प्राप्त हो तो तत्काल नजदीकी थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित करें।

गिरफ्तार किया है जिनमें संदीप काछी 27 वर्ष निवासी छैहरा, कुती उर्फ सलोक कुमार कुशवाहा निवासी जोबीकला, मंजू उर्फ जयदेव पटेल निवासी जोबीकला, मनोज उर्फ रोहित यादव निवासी छैहरा एवं शनि दाहिया निवासी कछगावां शामिल है जबकि मामले का एक अन्य आरोपी करिया आदिवासी फलहाल पुलिस की गिरफ्तार से बाहर है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए 05 गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

हर्बल गुलाल स्वच्छ

पर्यावरण एवं महिला

सशक्तिकरण का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज कटनी

कभी सीमित संसाधनों और बाजार की जानकारी के अभाव में घर की चौखट तक सिमटी रहने वाली ग्राम बिचपुरा की महिलाएं आज अपनी मेहनत से न सिर्फ प्राकृतिक रंग तैयार कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण आजीविका की नई पहचान भी बना रही हैं। विकासखंड बड़वारा अंतर्गत जीवन अमृत संकुल स्तरीय संगठन से जुड़ी चार स्व सहायता समूह—अभि, राघव, रागिनी और मानवी—की 9 महिलाओं ने “होली के रंग आजीविका के संग” अभियान को आत्मनिर्भरता की मिसाल बना दिया है। शुरूआत छोटे कदम से प्रारंभ में महिलाओं को न तो बाजार की समझ थी और न ही उत्पाद बेचने

बिचपुरा गांव की बेटियों ने हर्बल गुलाब से बदली होली की तस्वीर, मिलने लगे आर्डर



का अनुभव। जिला पंचायत की आजीविका मिशन प्रशिक्षण मिला, पैकेजिंग की जानकारी दी गई और बिचपुरा की महिलाएं आज अपनी मेहनत से न सिर्फ प्राकृतिक रंग तैयार कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण आजीविका की नई पहचान भी बना रही हैं। विकासखंड बड़वारा अंतर्गत जीवन अमृत संकुल स्तरीय संगठन से जुड़ी चार स्व सहायता समूह—अभि, राघव, रागिनी और मानवी—की 9 महिलाओं ने “होली के रंग आजीविका के संग” अभियान को आत्मनिर्भरता की मिसाल बना दिया है। शुरूआत छोटे कदम से प्रारंभ में महिलाओं को न तो बाजार की समझ थी और न ही उत्पाद बेचने

हाट-बाजार तक पहुंच बनाई और अब सोशल मीडिया के माध्यम से भी ऑर्डर मिलने लगे हैं। सुरक्षित रंग, सशक्त महिलाएं महिलाओं द्वारा बनाया गया गुलाल न केवल खर्चों के लिए और सांस के लिए सुरक्षित है, बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान नहीं पहुंचाता। बच्चों और बुजुर्गों के लिए उपयुक्त यह हर्बल गुलाल आज स्थानीय बाजार में खास पहचान बना चुका है। बढ़ती आमदनी, बढ़ा आत्मविश्वास जहां पहले महिलाएं घरेलू खर्चों के लिए दूसरों पर निर्भर थीं, वहीं अब होली के मौसम में अभी से मिल रहे एडवांस आर्डरों की वजह से हजारों रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। सबसे बड़ी

उपलब्धि यह है कि अब वे आत्मविश्वास से बाजार में अपनी बात रखती हैं, ग्राहक से संवाद करती हैं और भविष्य की योजनाएं स्वयं बना रही हैं। एक पहल, कई बदलाव महिलाओं को रोजगार मिलापर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलासुरक्षित होली का संदेश फैलागांव में उद्यमिता की सोच विकसित हुई। आज बिचपुरा की ये महिलाएं साबित कर रही हैं कि यदि सही मार्गदर्शन और अवसर मिले, तो ग्रामीण महिलाएं भी नवाचार और मेहनत से अपनी पहचान गढ़ सकती हैं। हर्बल गुलाल केवल रंग नहीं — यह है स्वास्थ्य, स्वच्छ पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक।

चिया की खेती से किसानों को बंपर लाभ

हरिभूमि न्यूज कटनी

चिया की खेती किसानों के लिए कम लागत और मेहनत में बंपर मुनाफा देने वाला एक बेहतरीन विकल्प है। इस फसल को रबी मौसम में कम पानी और खद की आवश्यकता होती है और यह कीटों से भी सुरक्षित रहती है। साथ ही इसकी फसल में मौसम की मार का प्रभाव भी कम होता है। जिले के किसानों में इसकी खेती के प्रति धीरे-धीरे दिलचस्पी बढ़ती जा रही है। विकासखंड बहोरीबंद के ग्राम सुनाई निवासी संजय मिश्रा करीब 2 हेक्टेयर में चिया और धान एवं गेहूं की प्राकृतिक व जैविक खेती कर पहले से लगभग दोगुना मुनाफा अर्जित कर रहे हैं।

कृषि विभाग की आत्मा योजनान्तर्गत मिली प्राकृतिक व जैविक खेती की सलाह पर अमल कर कृषक संजय मिश्रा करीब एक

हेक्टेयर में रोपण पद्धति से धान की खेती 0.80 हेक्टेयर में गेहूं की क़तार बोनी और 0.20 हेक्टेयर में चिया की छिटकवा पद्धति से खेती कर परंपरागत खेती की तुलना में करीब-करीब दोगुनी आय प्राप्त कर रहे हैं। जहां पहले वह दो हेक्टेयर भूमि पर धान व गेहूं की परंपरागत खेती से मात्र 61 हजार रूपए की ही आय अर्जित कर पाते थे। वहीं प्राकृतिक व जैविक खेती की वजह से शुद्ध मुनाफा बढ़ कर अब एक लाख 18 हजार रूपए हो गया है। कृषक श्री मिश्रा बताते हैं कि उन्होंने करीब 0.20 हेक्टेयर में चिया की खेती कर 2 किन्टल चिया का उत्पादन किया। जिसे बाजार में 15 हजार रूपए प्रति किन्टल की दर से 30 हजार रूपए में बेचा और 5 हजार रूपए लागत काट कर उन्हें चिया की खेती से शुद्ध 25 हजार रूपए का लाभ हुआ।

मानव आहार में इसके बीजों का उपयोग महत्वपूर्ण माना गया है।

इनमें प्रोटीन, फाइबर, ओमेगा-3 वसा, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस और विटामिन बी जैसे अन्य पोषक तत्व होते हैं। चिया बीज एक सुपरफूड के रूप में जाने जाते हैं, क्योंकि इसमें विभिन्न प्रकार के औषधीय गुण पाए जाते हैं और विभिन्न तरीकों से खाये जा सकते हैं। चिया के बीज को अन्य खाद्य पदार्थों में टॉपिंग के रूप में जोड़ा जा सकता है या स्मूदी, नाश्ते के अनाज, एनर्जी बार, प्रोत्नोला बार, दही, टॉटोला और ब्रेड में डाला जा सकता है। चिया बीज स्वस्थ त्वचा के लिए, बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करना, हृदय और पाचन तंत्र को बेहतर करना, मजबूत हड्डियों और मांसपेशियों का निर्माण करने में सहायक होते हैं। यह मधुमेह को कम करने के लिए भी सहायक माने जाते हैं। इसका सेवन शरीर व दिल को बीमारियों से लड़ने के लिए शक्ति प्रदान करता है।

कमियों को दूर करने एवं साफ सफाई को और बेहतर बनाने दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज कटनी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया द्वारा बुधवार को थाना बहोरीबंद एवं थाना स्लीमनाबाद का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी बहोरीबंद अखिलेश दहिया , थाना प्रभारी स्लीमनाबाद सुदेश समन, रिडर 2 उप निरीक्षक मंगलेश द्विवेदी, थाना स्टाफ उपस्थित रहा।

निरीक्षण के दौरान बहोरीबंद थाना परिसर स्थित पुरुष एवं महिला बंदीगृह का अवलोकन किया गया, जिसमें साफ-सफाई की स्थिति को और अधिक बेहतर बनाए जाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके पश्चात गुण्डा रजिस्टर, निगरानी रजिस्टर एवं अन्य संबंधित अभिलेखों की जांच की गई, जिसमें चेंकिंग अपेक्षाकृत कम पाई गई,

बहोरीबंद विकासखंड में हितग्राहियों को दी गई मुर्दा भैंस



मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के तहत बहोरीबंद विकासखंड के पशु पालकों का सपना साकार हो रहा है। पशु पालक को योजना के वित्तीय सहायता मिल रही है जिस कारण पशु पालक अच्छी नस्ल की भैंस लाकर दुग्ध उत्पादन से आमदनी कर सकते हैं। पशु औषधालय कार्यालय बहोरीबंद में बहोरीबंद के पांच हितग्राहियों को मुर्दा भैंस प्रदान की गई। जिला पंचायत अध्यक्ष सुनीता मेहरा, एसडीएम राकेश चौरसिया ने पशु पालकों को फूल माला पहनाकर मुर्दा भैंस प्रदाय की। विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी नेहा सुरेश्वर ने बताया कि मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के तहत विकासखंड बहोरीबंद के चयनित हितग्राही श्रीराम मेहरा ग्राम कूड़ा खुर्द, राकेश कुमार यादव ग्राम सलेया एवं बहोरीबंद से नरेश यादव, अज्यू यादव एवं रेखा दुबे को दो-दो मुर्दा भैंस प्रदान की गई। उक्त मुर्दा भैंसे हरियाणा कर्नाल से मंगाई गई। योजना के तहत एससी /एसटी हितग्राहियों को 75 प्रतिशत सब्सिडी और पिछड़ा वर्ग के हितग्राहियों को 50 प्रतिशत सब्सिडी मिल रही है। इस दौरान विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ नेहा सुरेश्वर, डॉ जयकुमार केवट, एस एस पटेल, सी एस बर्मन एवं पशु सखी संगीता लोधी एवं अन्य मैत्री जन उपस्थित रहे। योजना का सफल संचालन उपसंचालक डॉ आर के सोनी के मार्गदर्शन में किया गया।

एसपी ने थाना बहोरीबंद व स्लीमनाबाद का औचक निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाएं



जिस पर तत्काल सुधार हेतु निर्देशित किया गया।

एसपी द्वारा अ, ब एवं स वर्ग की ग्राम अपराध पुस्तिकाओं का निरीक्षण किया गया, जिसमें वर्ष 2026 की प्रविष्टियों में टीप अंकित पाई गई। थाना स्तर पर संधारित एकआईआर एवं शून्य एकआईआर रजिस्टर विधिवत एवं अद्यतन पाए गए। आंगतुक रजिस्टर का निरीक्षण करने पर वर्ष 2026 में कुल 130

प्रविष्टियां दर्ज होना थाना गया। साथ ही थाना भवन एवं पुलिस आवास का निरीक्षण कर शासकीय मद से आवंटित राशि के समुचित, पारदर्शी एवं प्रभावी उपयोग हेतु निर्देश प्रदान किए गए। थाने में स्थापित

सीसीटीवी कैमरे चालू अवस्था में पाए गए। ई-समस एवं वारंटों की तामीली की समीक्षा संतोषजनक पाई गई। थाना स्लीमनाबाद में निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय, मालखाना, अभिलेख संधारण, सीसीटीएनएस कार्य एवं पुरुष एवं महिला बंदीगृह की व्यवस्थाओं का एसपी ने गहन अवलोकन किया गया। एसपी द्वारा साफ-सफाई

बनाए रखने, लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण, कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखने, रात्रि गश्त को प्रभावी बनाने एवं फरियादियों से शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान थाने में संधारित अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन रखने, शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं निष्पक्ष निराकरण प्राथमिकता के आधार पर करने पर विशेष जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी द्वारा धारा 173(8) जा.फौ. के लंबित प्रकरणों के निकाल की स्थिति तथा अनुसूचित जाति / जनजाति (SC/ST) अत्याचार निवारण अधिनियम से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

अग्निवीर भर्ती रैली के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त

हरिभूमि न्यूज कटनी

पुलिस ग्राउंड इंजिरी 13 से 24 फरवरी 2026 के मध्य आयोजित होने वाली अग्निवीर थल सेना भर्ती रैली में लगभग 15 जिलों के आवेक सम्मिलित होने की संभावना है। अपर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा उक्त रैली में अत्यधिक भीड़ की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए शिल्ले के महत्वपूर्ण स्थल पर शहर में शांति एवं कानून व्यवस्था हेतु अपर कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई जाकर कार्य दायित्व सौंपे गए हैं।

अपर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार हर्षवर्धन रामटेके एएसएलदार प्रभारी नायब तहसीलदार को पुलिस लाइन ग्राउण्ड इंजिरी के अंदर रैली स्थल पर प्रातः 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार अतुलेश सिंह नायब तहसीलदार

तहसील ग्रामीण कटनी की पुलिस लाइन ग्राउंड इंजिरी के अंदर रैली स्थल पर दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार ऋषि गौतम नायब तहसीलदार तहसील बड़वाया की पुलिस लाइन ग्राउंड इंजिरी के बाहर गेट एवं आस पास प्रातः 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक ड्यूटी लगाई गई है। वहीं आशीष कुमार चतुर्वेदी नायब तहसीलदार तहसील विजयराघवगढ़ की ड्यूटी पुलिस लाइन ग्राउंड इंजिरी के बाहर गेट एवं आसपास के स्थल पर दोपहर 02 बजे से रात्रि 10 बजे तक ड्यूटी लगाई गई है। प्रशान कुमार वर्मा प्र.नायब तहसीलदार तहसीलदार बरही की ड्यूटी बस स्टैंड कुठला मुख्य रेल्वे स्टेशन, मुडवारा रेल्वे स्टेशन, साउथ रेल्वे एवं मिशन चौक कटनी में प्रातः 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगाई गई है।

खास बातें

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाई पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि

अमनगंज। नगर परिषद कार्यालय परिसर में बुधवार शाम 5 बजे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन मंडल अध्यक्ष डॉ. प्रसांत चतुर्वेदी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्पजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धाजलि दी तथा उनके विचारों और राष्ट्रसेवा के योगदान को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का "एकतात्म मानववाद" का सिद्धांत आज भी समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सारिका सारदा खटीक, दशरथ गुप्ता, संजय तिवारी, मूपेन्द्र सिंह, आनंद सिंह सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित में उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेकर किया गया।

अमरछी रेत खदान पर

प्रशासन का छापा, मचा हड़कंप

अजयगढ़। अजयगढ़ क्षेत्र के धरमपुर थाना अंतर्गत गाम अमरछी रेत खदान पर बुधवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छापा मारा। इस संयुक्त कार्रवाई में पटना खनिज विभाग, अजयगढ़ राजस्व विभाग और पुलिस की टीम शामिल रही। छापेमारी की खबर मिलते ही क्षेत्र में सजिद्या रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया। प्रशासनिक टीम ने मौके से कई हलफज्दी मशीनें और डंपर जब्त किए हैं। कार्रवाई के दौरान खदान के सीमा विवाद को लेकर मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश प्रशासन के बीच कहाखुशी भी हुई। बताया जा रहा है कि सीमा विवाद के चलते पकड़ी गई 2 एलफज्दी मशीनें और 3 डंपर उत्तरप्रदेश प्रशासन को सुपुर्द किए गए, जबकि 2 एलफज्दी मशीनें मध्यप्रदेश प्रशासन को हस्तगत की हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार खदान अवैध रूप से संचालित की जा रही थी।

मुख्यमंत्री का नोहलेश्वर महोत्सव एवं किसान सम्मेलन में कल होगा आगमन

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री कोचर ने जिले के समस्त संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये

दमोह। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का नोहलेश्वर महोत्सव 2026 एवं किसान सम्मेलन कार्यक्रम में 13 फरवरी को गाम नोहटा आगमन प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी के साथ मंत्रालय एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। इसी के महानुर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सुशील कुमार कोचर ने जिले के समस्त संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। जिला मजिस्ट्रेट श्री कोचर ने मंच पर व्हीआरपी एवं जनप्रतिनिधियों को वरिष्ठता क्रमानुसार बैठक व्यवस्था के लिये अनुविभागीय दफ्तराधिकारी तैयार करने तथा कार्यक्रम स्थल को

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में एबीवीपी छात्रों का प्रदर्शन पन्ना। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय शाहनगर में

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े छात्र-छात्राओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विगत दिवस मंगलवार को प्राचार्य कक्ष में तालाबंदी कर प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि वे पिछले कई महीनों से महाविद्यालय में पेयजल हेतु वाटर कूलर, बेहतर फर्नीचर तथा स्वच्छ शौचालय व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। इन मांगों को लेकर छात्रों द्वारा विधिवत ज्ञापन भी तैयार किया गया था। ज्ञापन लेने के लिए शाहनगर तहसीलदार कोमल चढ़ार महाविद्यालय पहुंची थीं, लेकिन छात्रों ने ज्ञापन अस्वीकार्य अधिकारी (एसडीएम) राम निवास चौधरी को ही सौंपने की मांग पर अड़ गए। इसी कारण ज्ञापन नहीं सौंपा जा सका और छात्र बिना ज्ञापन दिए वापस लौट गए। छात्रों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मौके पर पुलिस बल भी तैयार रहा। छात्रों ने बताया कि एसडीएम को पूर्वं से सूचना दी गई थी, इसके बावजूद वे ज्ञापन लेने नहीं पहुंच सके। इस दौरान छात्रों द्वारा जमकर नारेबाजी भी की गई।

अतिरुद्र महायज्ञ, पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का चल रहा आयोजन

मनुष्य का नाम नहीं, कर्म श्रेष्ठ होता है- पं. डॉ अनिल शास्त्री



हरिभूमि न्यूज ▶▶ हटा

उपकाशी नगरी हटा इन दिनों भक्ति, श्रद्धा और अध्यात्म की त्रिवेणी में सराबोर है, दूल्हा भेषधारी देवश्री गौरीशंकर मंदिर परिसर में आयोजित अतिरुद्र महायज्ञ, पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन दद्या कला मंच से कथा व्यास पं. डॉ. अनिल शास्त्री घनस्थान बाग के द्वारा छोटी कथा का वृतांत बताते हुए कहा कि जरूरी नहीं है कि किसी का नाम रामलाल हो तो वह नाम के अनुरूप ही होगा, अतः कर्म श्रेष्ठ है न कि मनुष्य का नाम श्रेष्ठ है। उन्होंने हमारे जीवन

में संयम की व्याख्या करते हुए शास्त्री जी ने बताया कि अगर जीवन में संयम वाला सदाचारी है तो आयु सौ वर्ष की होती है लेकिन वर्तमान में लोग चिंतन और संयम को उतना महत्व नहीं देते हैं। कहते हैं कि अंत के समय भगवंत का स्मरण कर लिया जाए तो उद्धार हो जाता है लेकिन यह सत्य नहीं है क्योंकि जीवन भर हम गृहस्थ जीवन में जो भी देखते हैं, सोचते हैं और करते हैं। वही हमारा जीवन में आस-पास अंत तक ही चलता रहता है और अंत समय में हम कितना भी प्रयास करें लेकिन भगवान का स्मरण प्रकाशता से नहीं ले पाते हैं इसलिए अंत समय

का इंतजार न करते हुए प्रभु की भक्ति का थोड़ा सा समय निकालना जरूरी है। यहां पर बताया गया कि लक्ष्य प्राप्त के लिए व्यक्ति हर संभव प्रयास करता है लेकिन वह अपनी चाल, कामकाज, आचार, व्यवहार, और आहार, विहार को नहीं बदलता है, त्याग समर्पण नहीं करता है, जिससे लक्ष्य पूर्ति कभी नहीं हो पाती है। यहां उन्होंने भ्रम के बारे में बताया कि जरूरी नहीं है कि ढंकने वाला पर्व खूबसूरत है तो दूसरी तरफ खूबसूरती ही होगी, कई बार हम देखकर अंदाजा लगाकर भ्रम पाल लेते हैं लेकिन जब पर्व हटता है तो सच्चाई सामने आती है,

धर्म के आयोजन में कल्याण की आहुतियां

धर्म के इस महाआयोजन में प्रातः पं. डॉ. मधुरा प्रसाद शुक्ल वाराणसी के निदेशन में विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए आहुत अतिरुद्र महायज्ञ अनुष्ठान में 8 बजे से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यजमान 25 कुण्डीय महायज्ञ में वैदिक मंत्रों के साथ हवनतामक आहुतियां दे रहे हैं। वहीं दूसरी ओर प्रातः 7 बजे से बड़ी संख्या में श्रद्धालु देव श्री गौरीशंकर मंदिर पट्टुचकर विधि विधान एवं भक्ति भाव के साथ पार्थिव शिवलिंग निर्माण कर और महाभिषेक कर अन्य शोभायात्रा कर माध्यम से दोल नगार्डी पर शिरकते हुए सुनार नदी के घुराघट तट पर मंगल आरती के साथ पार्थिव शिवलिंग विस्जित कर धार्मिक पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

तब यह भ्रम टूटता है, इसलिए बिना जाने भ्रम नहीं पालना चाहिए। शास्त्री जी ने कथा में आगे बताया कि हमारे पास बहुत से भक्त आते हैं, जिसमें कोई दुख दर्द दूर करने तो कोई अपने घर परिवार के लिए ही प्रार्थना करता है लेकिन प्रभु की भक्ति में मन लग जाए ऐसा कोई नहीं करता है। प्रभु भक्ति पर कहा गया कि तीन कार्यों को करने से भगवान का स्मरण स्वयं ही हो जाता है। इसमें कथा को सुनो सुनाओ और गुनगुनाओ बस इसी में आप भगवत स्मरण कर लेंगे और उसका पुण्य अर्जन भी हो जाएगा। कथा के दौरान कार्यक्रम के सूत्रधार कुं. पुषेंद्र सिंह हजारी, रामकुमार असाठी, यज्ञ समिति अध्यक्ष अनुराग वर्धन सिंह हजारी, जबरा प्रताप सींग लोधी सहित कथा यजमानों सहित बड़ी संख्या में कथा श्रोताओं की मौजूदगी रही।

दस्तक अभियान द्वितीय चरण क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय अर्न्तविभागीय कार्यशाला संपन्न

दमोह। दस्तक अभियान के द्वितीय चरण के सुचारू रूप से व्यवस्थित क्रियान्वयन हेतु स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की अर्न्तविभागीय कार्यशाला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. अठया की अध्यक्षता में सोमपंचाओ सभाकक्ष में की गई। इस दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. विक्रान्त चौहान एवं



जिला कार्यक्रम प्रबंधक विशेष रूप से मौजूद रहे। डॉ. अठया ने बताया कि प्रदेश व्यापी दस्तक अभियान द्वितीय चरण का क्रियान्वयन 17 फरवरी से 19 मार्च तक किया जायेगा। अभियान दौरान बच्चों को सेहतमंद बनाये रखने में उपयोगी विटामिन ए अनुपूरण तथा एनीमिक बच्चों का फॉलोअप जांच एवं समुचित प्रबंधन किया जायेगा। डॉ. अठया ने अभियान क्रियान्वयन के संबंध में मौजूद स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग अमले को आपसी समन्वय से कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। अभियान के संबंध में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. विक्रान्त चौहान ने बताया कि ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस पर ग्राम में आयोजित सत्र में 9 माह से 5 वर्ष तक के समस्त बच्चों को विटामिन ए अनुपूरण तथा दस्तक अभियान प्रथम चरण में चिन्हित 6 माह से 5 वर्ष के अल्प मध्यम अथवा गंभीर एनीमिक बच्चों की एनीमिया फॉलोअप जांच एवं समुचित उपचार, प्रबंधन किया जायेगा। सत्र दौरान एएनएम डिजीटल हिमोग्लोबिनोमीटर से एनीमिया जांच की जायेगी। सत्र दौरान ड्यू लिस्ट अनुरूप छूटे हुए बच्चों को एएनएम की निगरानी में ग्राम में अगले ही दिन मॉपअप दिवस पर आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा गृह भेंट कर आयु अनुरूप छूटे हुए बच्चों को विटामिन ए अनुपूरण कराया जायेगा। जबकि एएनएम द्वारा आयोजित सत्र स्थल पर छूटे हुए बच्चों की एनीमिया जांच की जायेगी। हितग्राही बच्चों को लाने का कार्य महिला बाल विकास विभाग के मैदानी कार्यकर्ताओं के द्वारा किया जायेगा। आंगनवाड़ी केन्द्रों पर दी जाएंगी सेवाएँ कार्यशाला दौरान बताया गया कि समस्त लक्षित बच्चों तक दस्तक सेवा प्रदायगी के लिए सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों पर सत्रों का आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला दौरान एम एण्ड ई, बीपीएम, बीसीएम, बीईई, महिला बाल विकास विभाग के सुपरवाइजर तथा स्वेच्छक संगठन अंतरा के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारंभ



जबेरा। जबरा के समीप बिल्थिया कॉलोनी में पटेल परिवार द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसकी कलश यात्रा जबेरा के सिद्ध पीठ श्री नरसिंह देवालय से प्रारंभ होकर नगर की गली चौराहा से होकर पुनः बिल्थिया कॉलोनी पहुंची जहां पर प्रथम दिवस की कथा सुनाई गई। कथा व्यास पंडित संदीप कुष्ण शास्त्री महाराज ने कहा कि मनुष्य के कई जन्मों की पुण्य उदय होते हैं तब हमें श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने का अवसर प्राप्त होता है। कथा श्रवण व्यक्ति मोह माया के जंजाल से मुक्त हो जाता है और हरी की कृपा उस पर बनी रहती है। कथा के मुख्य अजमान चंदूलाल पटेल, कुसुम रानी पटेल के साथ कलश यात्रा में मोहन पटेल, भैया लाल पटेल, बसंत पटेल, प्रीतम पटेल, तरन बद् पटेल के साथ ग्रामवासी उपस्थित रहे।

आज के बच्चे कल का भविष्य, शिक्षा के साथ संस्कार जरूरी : ऋषिकांत गर्ग

बनवार। खेर माता मंदिर प्रांगण में समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन वातावरण भक्तिमय हो उठा। कथा प्रवक्ता बालव्यास पं. ऋषिकांत गर्ग ने ध्रुव चरित्र का मार्मिक वर्णन करते हुए समाज को गहरा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि "आज के बच्चे ही कल के देश का सुनहरा भविष्य हैं। यदि उन्हें अच्छी शिक्षा के साथ श्रेष्ठ संस्कार मिलें, तो वे देश के सच्चे और आदर्श नागरिक बन सकते हैं।" पं. गर्ग ने चिंता जगाने हुए कहा कि वर्तमान समय में कई बच्चे मोबाइल, सोशल मीडिया और वीडियो गेम की लत का शिकार हो रहे हैं, जिससे उनका अमूल्य समय और भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बच्चों के साथ समय बिताएं, संवाद करें और उनकी गतिविधियों पर नज़र रखें। पढ़ाई करने वाले बच्चों को अनावश्यक डिजिटल आकर्षण से दूर रखते हुए उन्हें सकारात्मक वातावरण प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। कथा के दौरान वामन भगवान और राजा बलि की कथा का भी भावपूर्ण वर्णन किया गया। पं. गर्ग ने बताया कि इस प्रसंग से हमें यह सीख मिलती है कि जब कोई व्यक्ति सद्कर्म कर रहा हो तो उसे रोकना नहीं चाहिए। शुक्राचार्य द्वारा राजा बलि को दान से रोकने का परिणाम उन्हें स्वयं भुगताना पड़ा। संदेश स्पष्ट है कि अच्छे कार्य करना ही सच्ची पूजा है और हमें निरंतर नेक मार्ग पर चलते रहना चाहिए। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। संगीतमय प्रस्तुति और आध्यात्मिक वातावरण ने सभी को भावविभोर कर दिया। आयोजन के माध्यम से ग्रामवासियों में समाज को यह संदेश दिया कि बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए शिक्षा और संस्कार दोनों समान रूप से आवश्यक हैं।



भारतीय सफाई मजदूर संघ ने सौंपा ज्ञापन



दमोह। भारतीय सफाई मजदूर संघ जिला दमोह जिला एवं नगर कार्यकारिणी के सदस्य के द्वारा आज पुनः एक ज्ञापन मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सौंपा गया। जिसमें प्रमुख रूप से सफाई कर्मचारियों को परियास और कर्मचारियों को ड्रेस एवं आईडी कार्ड देने के संबंध में जिसमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने तुरंत मांगों के संबंध में परियास भुगतान और आई कार्ड जारी करने को संबंधित अधिकारी को आदेशित किया ज्ञापन में प्रमुख रूप से भारतीय सफाई मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष सिक्ंदर खारवे, जिला महामंत्री निखलेश चौहान, नगर अध्यक्ष सुनील करोसिया, नगर महामंत्री रत्नेश खारवे, नगर उपाध्यक्ष देवेंद्र करोसिया, ब्रजकांत गोदरे, राजेश गोदरे समस्त कार्यकारिणियों सदस्य के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया मुख्य नगर पालिका अधिकारी के तुरंत आदेश करने पर उनका बहुत-बहुत मजदूर संघ की तरफ से धन्यवाद व्यापित करते हैं।

शादियों में ज्वेलरी शॉपिंग का बदला ट्रेंड, दुल्हन को गहने के बजाय दे रहे नगद रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हटा

शादियों में अब चांदी-सोने के आभूषणों की शॉपिंग का ट्रेंड बदल गया है। महंगाई के चलते परिरजन व रिश्तेदार दुल्हन को गहनों की जगह सीधे उनको व्योहार (उपहार) में नगद रुपए दे रहे रहे हैं। अब शादी-विवाह में चांदी-सोने के गहनों का चलन नाममात्र तक सीमित रह गया। शहर के सराफा कारोबार में नीलेश सराफ ने बताया कि अब लोग शादी-विवाह में पहले की तरह तोले के हिसाब से दुल्हन के लिए ब्राइडल ज्वेलरी सेट नहीं खरीद रहे, बल्कि एक

फिक्स अमाउंट बजट के हिसाब से सोने-चांदी की ज्वेलरी खरीद रहे हैं। अब ज्यादातर परिवार चाहे वह मध्यवर्गीय परिवार हो या फिर हाईप्रोफाइल, सभी घरों की शादी में दूल्हा दुल्हन को नगद रुपए व्योहार कर रहे हैं। इसके बाद दुल्हन अपनी सुविधा और बजट के हिसाब से अपने लिए ज्वेलरी खरीद रही शादी-विवाह में दूल्हे-दुल्हन को रस्म के तौर पर डिजिटल पेंमेंट से शगुन देने की परंपरा आजकल समाज में तेजी से बढ़ रही है। इस तरह से नवदंपति शादी की रस्म में मिले पैसों से अपनी सुविधा व बजट

के अनुरूप मनपसंद ज्वेलरी खरीद रहे हैं या अन्य दूसरा इन्वेस्ट कर पा रहे हैं। चांदी 3 लाख 10 हजार प्रति किलो- के सराफा व्यापारी ने बताया कि बाजार में बुधवार को सोने का भाव 1 लाख 53 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी का भाव 3 लाख रुपए प्रति किलोग्राम रहा। शादी के इस सीजन में सराफा बाजार में सोने-चांदी के हर दिन भाव यानी चढ़ती-उतरती कीमतों के बीच ग्राहक आभूषणों के वजन में कटौती कर रहे हैं।

बोर्ड परीक्षाओं के लिए 90 केंद्र में से 7 आदर्श परीक्षा केंद्र बने प्रवेश द्वार पर गुब्बारों से स्वागत, विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधाओं की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए जिले में कुल 90 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से सात केंद्रों को आदर्श परीक्षा केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जहां परीक्षार्थियों को बेहतर और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। आदर्श परीक्षा केंद्र के रूप में सांदिपनि विद्यालय पथरिया, सांदिपनि विद्यालय तेंदूखेड़ा, सांदिपनि विद्यालय दमोह, सांदिपनि विद्यालय हटा, सांदिपनि विद्यालय पटोरा, सांदिपनि विद्यालय जबेरा तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खडेरी को तैयार किया गया



है। इन केंद्रों पर विद्यार्थियों का स्वागत प्रवेश द्वार पर गुब्बारों के साथ किया जा रहा है, जिससे परीक्षा का तनाव कम हो और सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो सके। प्रत्येक कक्षा के



बाहर शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई है। साथ ही स्वच्छ शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और पंखों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। जिला प्रशासन द्वारा प्रयास

किया गया है कि परीक्षा केंद्रों का माहौल हर दृष्टि से परीक्षा के अनुकूल, शांत एवं सुव्यवस्थित रहे, ताकि विद्यार्थी बिना किसी असुविधा के आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकें।

श्री हरि भगवान श्री कृष्ण के नाम जापक के लिए समस्त सिद्धियां प्राप्त हो जाती हैं - पं रवि शास्त्री

दमोह। स्थानीय सिविल वार्ड 7 स्टेडियम के पास चल रही श्रीमद् भगवत कथा के चौथे दिवस में कथा व्यास आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण श्री राधा श्री राम नाम का जाप करने वाले के लिए समस्त सिद्धियां प्राप्त हो जाती हैं भगवन्नाम की महिमा को बताते हुए उन्होंने कहा कि जिस नाम का इतना प्रभाव महत्व और विस्तार है उस पर मुझ जैसा रसानभिज्ञ मनुष्य क्या कह सकता है मेरा तो यह केवल एक तरह का दुःसाहस है जो संतों की कृपा और प्रेमियों के प्रेमके अरोसे पर ही किया जा रहा है मैं भगवन्नामकी महिमा क्या कहूँ मैं तो नाम का ही जिलाया जी रहा हूँ शास्त्रों में नाम महिमा के इतने अधिक प्रसंग हैं कि उनकी गणना करना भी बड़ा कठिन कार्य है इतना होते हुए भी जगत् के सब लोग नाम पर विश्वास क्यों नहीं करते नाम का साधन तो कठिन नहीं प्रतीत होता पूजा होम यज्ञ आदि में जितना अधिक प्रयास और सामग्रियों का संग्रह करना पड़ता है इन्सेम वह सब कुछ भी नहीं करना पड़ता तो भी सब लोग नाम परायण क्यों नहीं होते इसका उत्तर यह है कि नाम परायण होना जितना कुछ से सहज कहा जाता है वास्तवमें उतना सहज नहीं है बड़े पुण्यखलसे नाममें उचित होती है शास्त्र पढ़ना उपदेश देना बड़े बड़े शास्त्रार्थ करना सहज है परन्तु निश्चित मन से विश्वासपूर्वक भगवान का नाम लेना बड़ा कठिन है कुछ लोग तो इसकी ओर ध्यान ही नहीं देते जो कुछ ध्यान देते हैं उन्हें इसका सहजपन देखकर अश्रद्धा हो जाती है वे समझते हैं कि जब बड़े-बड़े यज्ञ तप दानादि सत्कर्मों से ही पाप वासना का नाश होकर मनकी वृत्तियां शुद्ध और सात्विक नहीं बनती तब केवल शब्दोच्चारण या शब्द स्मरण मात्र से क्या हो सकता है वे लोग इसे मामूली शब्द समझकर छोड़ देते हैं कुछ लोग अमिमानसे नाम का आदर नहीं करते पाश्चात्य शिक्षाप्रप्त पुरुष तो प्रायः आधुनिक पाश्चात्य संस्कृता की माया मर्त्तिका में पड़कर ऐसी बातोंके केवल गोपोंडी समझते हैं कुछ सुभार का दम भरनेवाले लोग जबसारेका सुभार केवल हमारे बलपर होगा ईश्वर वस्तु ही क्या है उसकी आवश्यकता तो घरबार रहित संन्यासियों को है लोग उससे क्या मतलब अच्छा काम करने, अच्छा फल आप ही होगा ऐसी मानना से नाम का तिरस्कार करते हैं भगवान के नाम का स्मरण विपति काल में ही हुआ करता है जब मनुष्यके सब सहारे छूट जाते हैं कहींसे कोई आशा नहीं रहती किसी से कोई आश्वासन नहीं मिलता जगत् के लोग मुख से नहीं बोलना चाहते निरन्तरा निरन्तरा अरोग्य हीनता और अपमान से मन घबड़ा उठता है दुःखोंकी विषमयी ज्वाला से हृदय दग्ध होने लगता है मित्र स्वकी सुहृद् और घरवालोंका पकान्त अभाव हो जाता है तब प्राण रो उठते हैं हृदय खोजता है किसी ऐसी शीतल सुरम्य वस्तु को जिसे पाकर उसे कुछ शीतलता कुछ शान्ति प्राप्त हो सके ऐसे दुःसमय में छटपटते हुए व्याकुल प्राण स्वाभाविक ही उस अनजाने और अनदेखे हुए प्रीतम की गोद का आश्रय ढूँढते हैं ऐसे अवसर पर बड़े बड़े धन और पद के मद में ईश्वर को कुछ समझने वाले विषयों की प्रमाद मदिरा के अतिर पर पानसे उज्जत होकर विचरनेवाले मनुष्यों के मुँह से भी सहसा ऐसे उच्चर निकल पड़ते हैं कि 'राम है ईश्वर तू ही बचा तेरे बिना अब और कोई सहारा नहीं है ऐसे ही विपद संकूल समयमें जिह्वा स्वच्छन्दता से भगवन्नाम का उच्चारण करने लगती है और ऐसे ही शोक मोह पूर्ण समय में मन और प्राण भी उसका स्मरण करने लग जाते हैं इसी लोभ से तो माता कुन्तीने भगवान श्रीकृष्णसे विपत्तिका वरदान माँगा था उनके कहा था कि हे कृष्ण तेरा स्मरण विपत्ति में ही होता है इसलिए मुझे बार-बार विपत्ति के जाल में डालता।



